



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 242] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 7, 1992/अग्राहायण 16, 1914

No. 242] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 7, 1992/AGRAHAYANA 16, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में  
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 84/(पी एन)/92—97

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1992

फाइल सं. 6/128/92—ई पी सी :— निर्यात-आयात नीति, 1992-97 के पैरा-  
ग्राफ 16 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा  
प्रक्रिया पुस्तक, 1992—97 में निम्नलिखित संशोधन करने है :—

1. अध्याय - 8, पैराग्राफ 150 में उस पैराग्राफ (3) के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

“हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम (एच एच ई सी) भी 0.995 शुद्धता के स्वर्ण का आयात कर सकता है। उस स्थिति में, एच एच ई सी के लिए सरकारी टंकसाल में आयातित स्वर्ण को जमा करना आवश्यक नहीं है और उसकी आपूर्ति सरकारी टंकसाल द्वारा भ्रान्तरण के बिना सीधे निर्यातकों को की जा सकती है।”

2. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

सी. के. मोदी, महानिदेशक विदेश व्यापार

### MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 64/(PN)/92—97

New Delhi, the 7th December, 1992

File No. 6/128,92-EPC.—In exercise of the powers conferred under paragraph 16 of the Export and Import Policy, 1992—97, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures, 1992—97 :—

1. In Chapter VIII, paragraph 150, the following shall be added at the end of sub-paragraph (3) :—

“The Handicrafts and Handlooms Export Corporation (HHEC) may also import gold of 0.995 fineness. In that case, the HHEC need not deposit the imported gold in the Government Mint and the same can be supplied directly to the exporters without conversion by the Government Mint.”

2. This issues in public interest.

C. K. MODI, Director General of Foreign Trade.